'एक साल, नई मिसाल' से नया दौर

'जइसे दुलहिन सजे गवन में, वइसे यूपी देब सजाय'

» कलाकारों ने लोकगीतों से बांधा समां

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(19 March): योगी सरकार ने सोमवार को लोकभवन में अपने एक साल को बेमिसाल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. 'हुआ विकास-बढ़ा विश्वास' के नारे के साथ सरकार की उपलब्धियों का गुणगान हुआ. प्रदेश के लोक कलाकारों ने आल्हा, फरुवाही, राई, मयूर नृत्य और कथक के माध्यम से एक गुलदस्ता पेश किया. कलाकारों ने योगी की जय जयकार की और आगे और बेहतर काम की उम्मीद जगाई.

पूरे प्रदेश की झलक

रायबरेली के रामरथ पांडेय और फौजदार सिंह ने आल्हा की धुनों पर योगी सरकार की जमकर सराहना की. योगी के विकास के विजन पर फोकस करते हुए फौजदार बोले- जइसे दुलहिन सजे गवन में, वइसे यूपी देब सजाय. अवध के फरुवाही नृत्य का नेतृत्व फैजाबाद के मुकेश कुमार ने किया जबकि मथुरा की जागृति की टीम ने मयूर नृत्य के जरिये राधा-कृष्ण झांकी प्रस्तुत की. झांसी के निशांत भदौरिया ने बुंदेलखंड का राई कार्यक्रम पेश किया.

कथक ने बांधा समां

लखनऊ की नृत्य के कलाकार आज गीत ताजा शारदा मिश्रा की टीम ने कथक जरिये समा बांध दिया. फिर सभी एक साथ मंच पर आए और बिरज में होली रे रसिया... के जरिये होली के उमंग को कर दिए. भातखंडे विश्वविद्यालय के छात्र प्रखर पांडेय, तरुण कुमार, हर्ष भारती, श्वेता शुक्ला, पूजा पांडेय, महुआ त्रिपाठी ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया.

योगी सरकार के एक साल पूरे होने पर लोकभवन में हुए कार्यक्रम में कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।